कांग्रेस कार्यसमिति और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के सरकारी आवास पर इन दिनों रोजाना कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बुधवार को भी बड़ी संख्या में राजस्थान के विभिन्न हिस्सों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर सचिन पायलट ने उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। राजस्थान में चुनावी बिगुल बज चुका हैं और अगले 10-15 दिनों में कभी भी आचार संहिता लागू हो सकती है, ऐसे में विधानसभा चुनाव में टिकट चाहने वाले उम्मीदवार पायलट से मिलकर अपना बायोडाटा सौंप रहे हैं। पायलट के समर्थकों में भारी जोश व उत्साह देखा जा रहा है।

‘केन्द्रीय नेतृत्व तय करेगा किसकी क्या भूमिका होगी, आप सिर्फ कमल के फूल को ध्यान में रखिए’

अमित शाह और जे.पी. नड्डा ने प्रदेश के भाजपा नेताओं को स्पष्ट हिदायत दी

- **शाह और नड्डा के साथ भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री भी बैठकों में शामिल हुए। तीनों नेताओं ने विभिन्न नेताओं से अलग-अलग मंत्रणा भी की।**
- **रात 8 बजे शुरू हुई बैठकें देर रात तक चलीं।**
- **कल सुबह शाह व नड्डा का संघ के नेताओं से मीटिंग का कार्यक्रम है। फिर 11 बजे तक दोनों दिल्ली लौट जाएंगे।**

जयपुर, 17 सितम्बर (का.सं.)। विधानसभा चुनाव के सम्बंध में चुनावी रणनीति तय करने के लिए बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने होटल ललित में प्रदेश के नेताओ की बैठक ली। कोर कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक में साफ कहा कि- चुनाव सिर पर हैं और सभी को आपसी समन्वय से आगे बढ़ना है। इस दौरान प्रत्याशियों की पहली सूची पर भी चर्चा हुई। टिकट वितरण के बाद असंतुष्ट कार्यकर्ताओं द्वारा बगावत नहीं हो, इस पर भी दिशा-निर्देश दिए गए। करीब 2.15 घंटे बाद सतीश पूनिया और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ रवाना हो गए। पर मीटिंग्स का दौर चलता रहा।

सूत्रों के मुताबिक टिकट वितरण को लेकर लंबी बातचीत चली। शाह, नड्डा व संतोष ने कुछ नेताओं से अलग-अलग बातचीत भी की, जो आधी रात तक चली। सूची में शामिल नहीं होने के बावजूद सांसद दिया कुमारी भी होटल पहुँची लेकिन होटल के अंदर करीब 10 मिनट रही और वापस रवाना हो गई। उनका होटल में पहुँचना भी चर्चा का विषय रहा। बैठक में कोर कमेटी के सदस्य सांसद कनकमल कटारा को शामिल नही करना भी चर्चा का विषय रहा, वे एसटी वर्ग का प्रतिनिधि करते हैं।

बैठको में चुनाव के आगामी प्लान से लेकर भाजपा के प्रत्याशी चयन को लेकर रोडमैप तैयार किया गया है। सभी नेताओं को अपनी व्यक्तिगत छवि को दरकिनार कर केवल कमल के फूल को ध्यान में रखकर मैदान में उतरने की हिदायत दी गई है। जिन बड़े नेताओं, सांसदों को टिकट दिया जाना है, उनके नामों पर, प्रदेश में भाजपा को कांग्रेस और गहलोत सरकार से मिल रही चुनौतियों पर चर्चा हुई। बैठक में चुनावों में संघ की भूमिका, आगामी दिनों में प्रदेश में होने वाली चुनावी गतिविधियां, सभाएं और बूथ स्तर तक पार्टी की व्यूह रचना, भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किए जाने वाले अहम मुद्दों, गहलोत सरकार को घेरने के लिए उठाए जाने वाले मसलों को भी अंतिम रूप दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि सभी नेताओं को संकेत दे दिए गए हैं कि प्रत्याशी चयन में अहम रोल केन्द्रीय नेतृत्व का ही रहेगा। साफ है कि सर्वे रिपोर्ट में आए दावेदारों के नामों में से ही भाजपा विधानसभावार प्रत्याशी तय करेगी। बैठक के बाद राजस्थान में बड़े नेताओं की भूमिका भी तय होने की चर्चाए हैं। सभी नेताओं के हालांकि चुनावी जीत के सुझाव लिए गए हैं। जानकारी के अनुसार चुनिंदा बड़े नेताओं से अलग से मंत्रणा कर उनका फीडबैक भी लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार शाह गुरुवार सुबह संघ के नेताओं से भी चुनावी चर्चा कर सकते हैं, जिनमे निम्बाराम, प्रकाश चंद, रामप्रसाद शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि चुनाव में संघ के सुझाव लिए जाएंगे। संघ के नेताओं से बैठक कहां होगी, देर रात तक तय नहीं हुआ था। संभवतः होटल में ही उनसे बैठक होगी। बताया जा रहा है कि शाह-व नड्डा संघ के सहकार मार्ग स्थित सेवा भारती कार्यालय भी जा सकते हैं।

महामंत्री बी.एल. संतोष सुबह संघ की शाखा में जा सकते हैं। वही शाह व नड्डा का गुरुवार सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारकों से मिलने का भी कार्यक्रम है। यह मुलाकात महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

शाह व नड्डा रात्रि विश्राम होटल में ही करेंगे। इसके लिए होटल की सातवीं मंजिल पर लगभग 16 कमरे बुक किए हैं। शाह और नड्डा सुबह 11 बजे रवाना हो जाएंगे। कोर कमेटी की इस बैठक में प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी, गजेंद्र सिंह शेखावत, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रल्हाद जोशी, प्रभारी अरुण सिंह, चुनाव सह प्रभारी नितिन पटेल, कुलदीप बिश्नोई, विजया राहटकर, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और नारायण पंचारिया शामिल हुए।

नड्डा और शाह का पहले सीधे प्रदेश कार्यालय आने का कार्यक्रम था लेकिन ऐन वक्त पर मीटिंग की जगह बदली गई। इसके बाद सभी नेता, पदाधिकारी होटल के लिए रवाना हुए। होटल पहुचने के बाद इन नेताओं ने खाना खाया। फिर बैठक रात करीब 8 बजे शुरू हुई।

बी.एल. संतोष सुबह ट्रेन से जयपुर पहुंचे। वे रेलवे स्टेशन से सेवा सदन पहुंचे और इसके बाद प्रदेश कार्यालय आए। यहां प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी और प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर के साथ करीब दो घंटे चुनावी चर्चा की।

मेयर मुनेश गुर्जर के दोबारा निलम्बन पर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा

मामले की अगली सुनवाई 6 अक्टूबर को होगी

- **हैरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को राज्य सरकार ने पहले 5 अगस्त को निलम्बित किया था और उन पर पद के दुरूपयोग का आरोप लगाया गया था।**
- **चार अगस्त को मेयर के पति सुशील गुर्जर की, नगर निगम के पट्टे जारी करने के एवज में रिश्वत मांगने के मामले में गिरफ्तारी हुई थी, राज्य सरकार ने इसमें मेयर मुनेश गुर्जर को भी दोषी माना था।**
- **23 अगस्त को हाई कोर्ट ने मेयर का निलम्बन रद्द कर दिया था, पर राज्य सरकार ने 22 सितम्बर को पुनः मेयर मुनेश गुर्जर को निलम्बित कर दिया।**

जयपुर, 27 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हैरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को पुनः निलंबित करने के मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 6 अक्टूबर को तय की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर की याचिका पर दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल मेहता ने कहा कि उनकी ओर से मामले में कैविएट लगाई गई है। ऐसे में वे प्रकरण में जवाब पेश करना चाहते हैं। इसलिए उन्हें जवाब पेश करने के लिए समय दिया जाए। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 6 अक्टूबर तक टाल दी।

याचिका में कहा कि राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता का निलंबन नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों व तथ्यों के विपरीत जाकर किया है। मामले में उसके खिलाफ प्रावधानों के खिलाफ जाकर जांच की गई और इसमें वो ही तथ्य थे, जो कि पंचनामा रिपोर्ट व एफआईआर से साबित नहीं हो पाए हैं। इसलिए उसके निलंबन आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाकर उसे रद्द किया जाए।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने गत 22 सितंबर को आदेश जारी कर मुनेश गुर्जर को हैरिटेज निगम के मेयर पद से निलंबित कर दिया था। निलंबन आदेश में कहा गया कि नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों के तहत उन पर पद के दुरुपयोग व कर्तव्य पालन में प्रतिकूल आचरण का आरोप लगाया है। नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में मेयर के पति सुशील गुर्जर की ओर से रिश्वत मांगने से जुड़े मामले में प्रथम दृष्टया मुनेश भी शामिल हैं और इसके लिए वह भी पूरी तरह से दोषी व उत्तरदायी है। ऐसे में उसे मेयर पद से निलंबित किया जा रहा है। इससे पहले भी राज्य सरकार ने 5 अगस्त को मेयर मुनेश को उनके पति सुशील गुर्जर से जुड़े इसी मामले में शामिल मानते हुए निलंबित किया था, लेकिन हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं बाद में राज्य सरकार ने निलंबन आदेश को वापस ले लिया था। जिसमे बाद हाईकोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर दिया था।

चन्द्रबाबू की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संजीव खन्ना के साथ बैंच में बैठे हुये थे, ने इस याचिका की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया, तो टी.डी.पी. नेता की ओर प्रस्तुत वरिष्ठ एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा तुरंत ही मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच के समक्ष चले गये।

इस बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा मनोज मिश्रा भी शामिल थे, ने कहा, "हम इसे किसी समुचित बैंच द्वारा सुनवाई के लिये मंगलवार को सूचीबद्ध कर देंगे।" अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यह बैंच अभियोग पक्ष की दलील, जिसमें टी.डी.पी. नेता की पुलिस कस्टडी और बढ़ाने की मांग की जा रही है, पर निर्णय लेने से ट्रायल जज को नहीं रोक सकती।

ज्ञातव्य है कि, जब नायडू 2015 में मुख्यमंत्री थे, उस समय स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन के पैसे के कथित दुरूपयोग को लेकर, 9 सितम्बर को वे गिरफ्तार कर लिये गये थे। इसके फलस्वरूप राज्य के राजकोष का 371 करोड़ रू. का कथित भुगतान हुआ था। उनकी जुडिशियल रिमांड ट्रायल कोर्ट ने 5 अक्टूबर के लिये बढ़ा दी है।

बिधूड़ी टोंक में भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह निर्णय इन अनुमानों-अटकलों के बीच लिया गया है कि कांग्रेस नेता सचिन पायलट आसन्न विधानसभा चुनावों में टोंक विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। टोंक पायलट का गढ़ है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव इस साल नवम्बर में या उससे पहले होने हैं। इस चुनाव में 200 विधायक चुने जायेंगे।

अभी हाल ही में, चन्द्रयान-3 मिशन पर लोकसभा में चल रही चर्चा के दौरान, भाजपा सांसद बिधूड़ी द्वारा बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक मुस्लिम विरोधी टिप्पणियों के बाद, बहुत बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

उनकी टिप्पणियों को लेकर आक्रोश पैदा होने के बाद, वे टिप्पणियाँ सदन की कार्यवाही से हटा दी गई थी।

विपक्षी दल कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से बिधूड़ी के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की थी। कम से कम चार विपक्षी दलों ने स्पीकर से अनुरोध किया है कि यह प्रकरण विशेषाधिकार समिति को सौंपा जाये।

स्पीकर को लिखे गये अपने पत्र में, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा था, "संसद के इतिहास में, किसी अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के खिलाफ ऐसे शब्द काम में नहीं लिये गये हैं।"

टिप्पणी को लेकर पैदा हुये विवाद के बाद, भाजपा ने बिधूड़ी की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया था।

‘डिग्रीधारी इंजीनियर कर रहे हैं कुली का काम’

- **राहुल गांधी ने बुधवार को कहा, देश में बेरोजगारी चरम पर है और प्रधानमंत्री ने युवाओं को रोजगार देने का जो वादा किया था उसे पूरा नहीं किया। इसी का परिणाम है कि डिग्रीधारी इंजीनियर कुली का काम कर रहे हैं।**

नयी दिल्ली, 27 सितम्बर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि, देश में बेरोजगारी चरम पर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को रोजगार देने का जो वादा किया था उसे पूरा नहीं किया है, इसी का परिणाम है कि डिग्रीधारी इंजीनियर कुली का काम कर रहे हैं।

गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर कहा, भारत के मेहनती कुली भाइयों से दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन पर मिला। उन्होंने कहा, "डिग्री इंजीनियर की, काम कुली का, ऐसी बेरोज़गारी से त्रस्त हैं। रेलवे से न पगार, न पेंशन, न स्वास्थ्य बीमा और न सरकारी सुविधा। मगर इन्हें उम्मीद है, समय बदलेगा और मुझे पूरा विश्वास।"

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने भी बेरोजगारी को लेकर ‘एक्स’ पर कहा कि, बेरोजगारी के कारण युवा त्रस्त हैं और वे कुली का काम करने को भी मजबूर हैं। उन्होंने कहा, पिछले महीने आनंद विहार टर्मिनल के कुलियों ने गांधी से मिलने की इच्छा जताई थी। गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को आगे बढ़ाते हुए उनसे मुलाक़ात की।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी कार्यकर्ताओं की एक-एक मीटिंग में उन्होंने कहा बताया, "हम बड़े नेता हो गए हैं, क्या हम अब वोटों की भीख मांगने जाएंगे।"

मीडिया रिपोर्टर्स और कई चुनाव पूर्व सर्वे बताते है कि मध्य प्रदेश में भाजपा को भारी सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस आगे बताई जा रही है। राजस्थान में भी कांग्रेस और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है।

भाजपा की केन्द्रीय मंत्रियों व सांसदों को मैदान में उतारने की रणनीति संकेत है कि आगामी विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही लड़े जाएंगे, जिसमें प्रदेश के पार्टी नेताओं की सीमित भूमिका होगी। भाजपा सूत्रों ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व की मौजूदगी से चुनावों में अप्रत्याशित एवं नए घटक भी शामिल होंगे, जिससे पार्टी को लाभ होगा।

गंगानगर-हनुमानगढ़ में एन.आई.ए. ने 3 जगहों पर दी दबिश

कैनडा के खालिस्तानी नैटवर्क से तार जुड़े होने की आशंका में एन.आई.ए. ने यह कार्यवाही की

- **सूरतगढ़ क्षेत्र की ठुकराणा ग्राम पंचायत में एक ग्रामीण युवक के खालिस्तानी सम्पर्क होने और विदेश से पैसे मंगवाने की जानकारी मिली है।**
- **संदेह के आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ के बाद उनके मोबाइल फोन जब्त किए गए।**

हनुमानगढ़/गंगानगर, 27 सितम्बर (कासं)। कैनडा के खालिस्तानी नेटवर्क के तार सूरतगढ़ क्षेत्र से जुड़े होने की आंशका को लेकर राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बुधवार तड़के दबिश दी, जिसमें कैनडा से स्थानीय लोगों को हुई फंडिंग के बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई हैं।

सूरतगढ़ क्षेत्र ठुकराणा ग्राम पंचायत के चाड़सर गांव में एक ग्रामीण युवक के खालिस्तानी समर्थकों से संपर्क होने के साथ-साथ विदेश से पैसे मंगवाने के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो (नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेन्सी/एन.आई.ए.)की टीम ने कार्रवाई करते हुए पूछताछ की। कार्रवाई के दौरान एन.आई.ए. की टीम के साथ राजियासर व गजसिंहपुर का पुलिस जाप्ता भी था। बुधवार तड़के 5 बजे ठुकराणा पंचायत के चाड़सर गांव में दबिश दी गई। दोपहर बारह बजे तक चली इस पूछताछ की कार्रवाई के दौरान, संबंधित आवास और गांव के सभी रास्तों पर लोगों की आवाजाही रोक दी गई।

हनुमानगढ़ जिले में भी बुधवार को एन.आई.ए. की टीम ने कुछ जगहों पर छापेमारी की कार्रवाई की। टीम ने कुछ लोगों को संदेह के आधार पर चिन्हित कर उनसे पूछताछ की। टीम ने कुछ घरों में सर्च अभियान भी चलाया और, कहा जा रहा है कि, लोगों से पूछताछ कर कुछ अहम जानकारी जुटाई। बताया जा रहा है कि, चिन्हित लोगों के बैंक खातों को भी जांचा गया है।

अचानक की गई उक्त कार्रवाई की आसपास के क्षेत्रों में चर्चा रही। हालांकि जिला पुलिस के अधिकारी इस संबंध में कार्रवाई को लेकर किसी तरह की जानकारी देने से बचते रहे। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने इतना ही बताया कि, टीम जिले में आई है, कुछ जगहों पर कार्रवाई भी की है, जिला पुलिस ने उन्हें सुरक्षा व्यवस्था मुहैया करवाई है तथा कुछ गोपनीय मामलों को जांचने में टीम जुटी हुई है।

बताया जा रहा है कि गोलूवाला थाना क्षेत्र के तीन एच.डी.पी. गांव में एन.आई.ए. टीम ने कार्रवाई की। अल सुबह टीम गांव में पहुंच गई। जिस घर में कार्रवाई को अंजाम दिया गया, उस गली को पूरी तरह से सील कर दिया गया था। स्थानीय पुलिसकर्मियों को भी जांच के दायरे से बाहर रखा गया। करीब चार घंटे की पूछताछ के बाद टीम वहां से रवाना हुई। जानकारी के अनुसार विदेशी फंडिंग मामले में गोलूवाला के तीन एचडीपी निवासी महेन्द्र वर्मा के यहां टीम ने कार्रवाई की। महेंद्र पलम्बर का काम करता है। पुलिस ने लम्बी पूछताछ के बाद महेन्द्र का मोबाइल जब्त कर लिया। इसके बाद टीम गांव से रवाना हो गई।

जिले के परलीका क्षेत्र में भी टीम द्वारा कार्रवाई करने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, खालिस्तानी समर्थित लोगों को की जा रही कथित फंडिंग के मामले में टीम को यहां रह रहे लोगों पर कुछ संदेह हुआ था। इसी की पड़ताल करने को लेकर यहां टीम पहुंची थी। इसी तरह भादरा तहसील के गांव मालखेड़ा में भी टीम ने एक ग्रामीण के निवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच के बाद कुछ साक्ष्य और तथ्य लेकर टीम यहां से वापस लौट गई।

मणिपुरः दो स्कूली छात्रों की हत्या पर विरोध प्रदर्शन जारी

इंफाल, 27 सितंबर। मणिपुर में दो स्कूली छात्रों की हत्या के विरोध में बुधवार को भी जारी रहे विरोध प्रदर्शन में 90 से अधिक छात्र घायल हो गए। वहीं, राज्य सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सभी शैक्षिणक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है। विशेष निदेशक अजय भटनागर के नेतृत्व में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक टीम आतंकवादियों द्वारा दो स्कूली छात्रों (एक लड़के और एक लडकी) के "अपहरण और हत्या" के मामले की जांच करने के लिए यहां पहुंची।

छात्रों के लापता होने के बाद राज्य सरकार ने अगस्त में सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। विरोध तेज होने पर सरकार ने मंगलवार को मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दीं। बड़ी संख्या में छात्र संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा की गई दोहरी हत्याओं पर नारे लगाते हुए बाहर आए।

भाजपा राजस्थान में "वसुंधरा फैक्टर"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **कर्नाटक विधानसभा चुनाव और हालिया उप चुनावों में मिली हार से आहत भाजपा लोकसभा चुनाव से पूर्व होने वाले इन विधानसभा चुनावों में कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहती है।**

चौहान को जगह नहीं मिल पाई है।

चौहान को टिकट नहीं मिलेगा यह कहना तो गलत है लेकिन "चुनाव के बाद कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है" वाली बात 64 वर्षीय चौहान के राजनैतिक भविष्य के लिए ठीक नहीं है।

मध्य प्रदेश में चुनावी तैयारियों के संदर्भ में एन.डी.टी.वी. को कहा गया कि केन्द्रीय मंत्रियों और सांसदों को मैदार में उतारना सामूहिक नेतृत्व का संदेश देता है। आज यह संदेश और पुख्ता हो गया जब सूत्रों ने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम को उतारने से उसे कांग्रेस के मुकाबले लाभ मिलेगा। इन पांच राज्यों में वरिष्ठ नेताओं को पाच वर्ष पूर्व हारी सीटें भी जीतने की जिम्मेवारी दी जाएगी।

भाजपा राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना जहां मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति मैदान में है, में कांग्रेस को हराने के लिए भाजपा यही रणनीति अपनाएगी।

भाजपा ने छत्तीसगढ़ में दूसरा रास्ता इख्तियार किया है जहां उसने मुख्यमंत्री पद के लिए वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भतीजे विजय को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी को उम्मीद है कि "बघेल बनाम बघेल" की परिवार में विभाजन की रणनीति उसके पक्ष में जाएगी।

विजय बघेल अभी लोकसभा सांसद हैं जो दुर्ग जिले की पाटन सीट से चुनाव लड़ेंगे। यह सीट पर 2003 से दोनों के बीच झूल रही है और मुख्यमंत्री गत दो चुनाव यहां से जीते हैं।

भाजपा के अन्य संभावित उम्मीदवार हैं केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह और राज्यसभा सांसद सरोज पांडे। भाजपा ने अभी तक अपनी सूचियों में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का नाम नहीं जोड़ा है।

तेलंगाना में भाजपा का रुख उसके अभी चल रहे "मिशन साउथ" का हिस्सा है जिसके तहत दक्षिण भारत में सरकार बनानी है जहां अभी तक जनता उसके कट्टर राष्ट्रवादी एजेंडा को नकारती आई है।

पार्टी के पास कर्नाटक था लेकिन इस वर्ष के पूर्वार्द्ध में कांग्रेस ने भाजपा सरकार को बाहर कर दिया। केरल भाजपा के प्रति पूरी तरह उदासीन है, तमिलनाडु ने भी मोदी की पार्टी को ठुकरा रखा है और मंगलवार को अन्नाद्रमुक भी एन.डी.ए. गठबंधन से अलग हो गई।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी भाजपा जगह नहीं बना पाई है।

तेलंगाना में नवंबर में चुनाव होने वाले हैं और केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी संभावित बड़े नाम हैं। तेलंगाना के तिम्मापुर क्षेत्र के रहने वाले रेड्डी राज्य में पार्टी के अध्यक्ष भी हैं।

यह चर्चा है कि लोकसभा सांसद बांदी संजय कुमार और राज्यसभा सांसद डॉ.के. लक्ष्मण को भी ओ.बी.सी. चेहरों के रूप में उतारा जा सकता है। इस वर्ष पांचवा चुनाव मिज़ोरम में है जहां भाजपा को पड़ौसी मणिपुर की जातीय हिंसा की चुनौती का सामना करनाा पड़ेगा।

कांग्रेस हाई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूसरे शब्दों में, गहलोत यह कह रहे हैं कि इतने ज्यादा विधायकों के टिकट मत काटिये तथा अगर आपको टिकट काटने ही हैं तो केवल उन विधायकों के टिकट काटिये, जिन्होंने, उनके अनुसार, पार्टी के साथ विश्वासघात किया था।

लेकिन असली बात यह है कि गौरव गोगोई के लिए राहुल गांधी के निर्देश स्पष्ट हैं- उनके टिकट काट दीजिये, जिनका हारना सुनिश्चित है। समझौता मत कीजिये।

अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मौजूदा विधायकों के टिकट बड़े पैमाने पर काटे जाने हैं।

अमित शाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयोजक नारायण पंचारिया, जयपुर जिलाध्यक्ष राधव शर्मा, देहात जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर, जयपुर उत्तर जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा, महापौर सौम्या गुर्जर, उप महापौर पुनीत कर्णावट, विधायक कालीचरण सराफ, नरपत सिह राजवी, अशोक लाहोटी, पूर्व विधायक अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी, कैलाश वर्मा शामिल थे। उसके बाद जेपी नड्डा और अमित शाह होटल ललित पहुँचे, जहां उन्होंने भाजपा नेताओं की बैठक ली।

महाराष्ट्र में भाजपा ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि, सभी पार्टियाँ अपने प्रत्याशी से आगे बढ़कर अपना वर्चस्व दिखाएंगी। "उन्होंने कहा कि, शरद पवार व एन.सी.पी. बाकी दोनों पार्टियों के आगे झुकना पसंद नहीं करेंगे।

महाराष्ट्र के एक भाजपा नेता ने कहा, "बहुत सारे क्षेत्र और सीटें हैं, जैसे साउथ सैन्ट्रल मुम्बई की लोकसभा सीट, जहाँ कांग्रेस और शिवसेना (यू.बी.टी.) दोनों ही दावेदार होंगे, और शिरडी जहाँ एम.वी.ए. के सभी घटक टिकट के दावेदार होगे, या फिर मराठवाड़ा, जहाँ एन.सी.पी. और शिवसेना (यू.बी.टी.) सीटों और प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा में होंगे इसमें विधानसभा सीटों की सीट शेयरिंग की जटिलता को भी जोड़ दिया जाए, तो ऐसी स्थिति बन सकती है कि, हर अधिकारिक प्रत्याशी के सामने दो विद्रोही उम्मीदवार होंगे।"

इस सोच के पीछे, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ भाजपा का अनिश्चित सा समीकरण भी है। भाजपा महसूस करती है कि, राज्य में जहाँ यह गठबंधन सरकार बना सकता है, लेकिन गठबंधन का प्रधान पार्टनर बनने का संघर्ष अभी भी जारी हैं, जैसा कि, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष चंद्रबाबू बावनकुले के इस वक्तव्य से जाहिर है कि, अगले वर्ष भाजपा राज्य की 240 सीटों से चुनाव लड़ेगी और बाकी बची 48 सीटें शिवसेना को देगी। इसमे निर्दलियों का कोई ज़िक्र नहीं है।

इस वक्तव्य से विवाद शुरु हो गया है, और, हालांकि, राज्य मंत्री चंद्रकान्त पाटिल ने डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की है, लेकिन एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना सावधान हो गई है। ऐसे परिदृश्य में, उम्मीद की जा रही है कि, राज्य विधानसभा एवं लोकसभा के चुनाव एकसाथ होने से मोदी की अपील प्रभावी होगी तथा भाजपा की राह आसान होगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908